इटली की हार के बाद बुफोन ने फुटबॉल को कहा अलविदा

नई दिल्ली , (आरएनएस)। मैं इतालवी फुटबॉल प्रेमियों से माफी चाहता हूं। मुझे इस तरह से विदा लेने का दुख है।' इन्हीं शब्दों के साथ और आंखों से बहते आंसुओं के बीच दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों में से एक इटली के गोलकीपर बुफेन जियांलुइगी ने अंतराष्ट्रीय फुटबॉल का अलविदा कह दिया। अपनी टीम के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के साथ ही बुफोन ने संन्यास की घोषणा कर दी। किसी को भी उनकी ऐसी विदाई की उम्मीद नहीं थी। इस हार के बाद बुफेन के साथ साथ दो और साथियों ने भी संन्यास ले लिया। 39 वर्षीय बुफ़ोन का यह अपने देश के लिए 175वां मैच था। स्वीडन के खिलाफ यह मुकाबला ड्रॉ रहा, जिससे उनके चमत्कारिक करियर का अंत निराशाजनक साबित हुआ। बुफोन ने कहा कि 60 साल में पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई न कर पाना राष्ट्रीय खेल के लिए दुखद दिन है। उन्होंने कहा कि सिर्फ मैं ही इससे दुखी नहीं हूं, बल्कि सभी इतालवी फुटबॉल प्रशंसक निराश हैं। यह भी संयोग ही है कि बुफोन ने इटली के लिए पदार्पण और अंतिम मैच विश्व कप प्लेआफ में का ही खेला। 19 साल की उम्र में 1998 में पहला मैच खेलने वाले बुफोन की टीम ने तब विश्व कप प्लेआफ में रूस को हराकर क्वालीफाई किया था। पर इस बार कप्तान बुफोन की टीम स्वीडन से पार नहीं पार सकी। इसके साथ ही बुफोन का छह विश्व कप खेलने वाला पहला फुटबॉलर बनने का सपना भी अधूरा रह गया।

12 साल तक खतरनाक बीमारी से लड़ते हुए बना विश्व चैंपियन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। जब कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो वह आराम करना ही पसंद करता है, लेकिन भारत का एक ऐसा स्टार खिलाड़ी भी है जिसने 12 साल तक खतरनाक बीमारी से लड़ते हुए विश्व चैंपियन बनकर देश का नाम रोशन किया। भारत के नंबर वन, दो बार के विश्व चैंपियन और चार बार के राष्ट्रीय चैंपियन पावरलिफ्टर मुकेश सिंह गहलोत ने हमेशा से अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई स्वर्ण पदक जीते। वह 12 साल तक मिर्गी के दौरे जैसी बीमारी के शिकार रहे और डॉक्टरों के मना करने के बावजूद चैंपियनशिप्स में हिस्सा लेते रहे और कई पदक अपने नाम किए। बॉडीबिल्डिंग से करियर शुरू करने वाले मुकेश अब जाने-माने पावरलिफ्टर हैं। दैनिक जागरण से खास बातचीत में उन्होंने बताया कि 2005 से मुझे यह बीमारी शुरू हुई जो इस साल जाकर खत्म हुई। शुरुआत में मेरे डॉक्टर और कोच भूपेंद्र धवन को इस बारे में पता था, लेकिन डॉक्टर ने मुझे कहा कि अगर इस बीमारी से ठीक होना है तो इस खेल को छोड़ना होगा लेकिन मैंने हार नहीं मानी और खेलना जारी रखा। इस दौरान मैं चार बार मिस्टर इंडिया (राष्ट्रीय खिताब) बना और दो बार विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। मैं इस बीमारी को अपने खेल से ही हरा पाया, क्योंकि मेरा सारा ध्यान अपने खेल पर होता था। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से मुकेश ककरौला से आजादपुर ट्रेनिंग करने के लिए लगभग 40 किलोमीटर तक साइकिल से जाते थे। पिता जी कहने पर दिल्ली विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियर की। अपने सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने रेलवे में स्पोर्ट्स कोटे से मिली क्लर्क की सरकारी नौकरी भी छोड़ दी। वह पावरलिफ्टिंग में 780 किग्रा का कुल वजन उठा चुके हैं और उनका लक्ष्य 1000 किग्रा वजन उठाने का है। उन्होंने इस साल मिस्टर ओलंपिया का खिताब जीतकर इतिहास रचा था। वह भारत के पहले पावरटिफ्टर थे जिन्होंने यहां क्वालीफाई करने के साथ पदक जीता। 39 वर्षीय मुकेश ब्रिटिश ओपन पावरलिफ्टिंग, यूरोपियन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप, दक्षिण एशिया बॉडीबिल्डिंग और इंग्लैंड ओपन में स्वर्ण पदक जीते हैं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में नंबर 1 बने रहने पर रहेगा फोकस: रहाणे

कोलकाता ,(आरएनएस)। भारत के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने मंगलवार को कहा कि श्री लंका के 9-0 से सफाए का वापसी सीरीज पर कोई असर नहीं पड़ेगा और टीम का फोकस टेस्ट में नंबर एक के ताज पर कब्जा बरकरार रखने पर है। बता दें कि इस साल श्री लंका दौर पर गई भारतीय टीम ने उसका हर फॉर्मेट में सफाया किया था। अब भारत श्री लंका के खिलाफ रिटर्न सीरीज की मेजबानी कर रहा है। श्री लंका को अपने इस भारत दौरे पर 3 टेस्ट और इतने ही वनडे और टी20 मैच खेलने हैं। टीम इंडिया की ट्रेनिंग से इतर पत्रकारों से बात करते हुए अजिंक्य रहाणे ने कहा, जैसा हमने श्री लंका में खेला था, उस लिहाज से यह सीरीज पूरी तरह अलग है। टीम इंडिया के उप-कप्तान रहाणे ने कहा, वर्तमान में अगर हम टेस्ट में नंबर 1 बने रहना चाहते हैं, तो इस लिहाज से हमारे लिए प्रत्येक सीरीज अहम है। हम हर सीरीज को जीतना चाहेंगे। हम यहां की कंडिशन को अच्छे से समझते हैं। जनवरी से शुरू हो रही साउथ अफ्रीका दौरे पर भारत को 3 टेस्ट, 6 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। रहाणे ने बताया, साउथ अफ्रीका रवाना होने से पहले हमारे लिए हर मैच और सीरीज इंपॉर्टेंट है। साउथ अफ्रीका के बारे में हम तभी सोचेंगे, जब हम वहां के लिए रवाना होंगे। फिलहाल हम इस सीरीज पर ही फोकस कर रहे हैं। श्री लंका के लिहाज से भी यह सीरीज खासी अहम है और इसके लिए वे भी शानदार ढंग से तैयारी कर रहे हैं। हम उन्हें कतई हल्के में नहीं लेना चाहेंगे। हम इस सीरीज पर फोकस कर रहे हैं और फिलहाल हमारा फोकस सीरीज के पहले मैच कोलकाता टेस्ट पर है। हम श्री लंका टीम का सम्मान करते हैं और हम सिर्फ अपना खेल खेलेंगे। हम अपनी स्ट्रेंथ पर फोकस रखना चाहेंगे, बजाए इसकी कि हम उनकी टीम कॉम्बिनेशन और रणनीति के बारे में सोचें।

बेंगलुरु एफसी के ब्रैंड एम्बेसेडर बने द्रविड़

बेंगलुरु ,(आरएनएस)। हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के चौथे सीजन की शुरुआत को केवल तीन दिन बाकी रह गए हैं और ऐसे में बेंगलुरु एफसी ने भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को अपने ब्रैंड एम्बेसेडर के रूप में पेश किया है. लीग के चौथे सीजन में बेंगलुरु एफसी का सामना 19 नवम्बर को मुंबई सिटी एफसी से श्रीकांतीरावा स्टेडियम में होगा. बेंगलुरु एफसी के साथ अपनी साझेदारी से खुश द्रविड़ ने एक बयान में कहा, बेंगलुरु एफसी का एंबेसेडर बनना मेरे लिए बड़ी बात है. इस टीम को मैं पिछले चार साल से देखता आ रहा हूं. बेंगलुरु का होने के नाते इस टीम के साथ जुड़ाव अलग है. द्रविड़ ने कहा, जिस प्रकार से शहर से बेंगलुरु एफसी को प्रतिक्रिया दी है, वह बेहतरीन है और इस क्लब के प्रति उसके प्रशंसकों का जुनून शानदार है. क्लब के इतिहास में आईएसएल एक नया अध्याय होगा. पूर्व कप्तान ने कहा, पिछले चार साल में टीम ने जिस प्रकार का विकास किया है, वह शानदार है. इस टीम ने अपने प्रशंसकों के साथ अलग ही रिश्ता बनाया है, जो काफी अच्छा है. बेंगलुरु एफसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पार्थ जिंदल ने कहा कि द्रविड़ के रूप में उनकी टीम को एक बेहतरीन ब्रैंड एम्बेसेडर मिला है. यह उनके तथा उनकी टीम के लिए सम्मान की बात है.

एनटीपीसी के मुनाफे में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सरकारी बिजली उत्पादक कंपनी, एनटीपीसी ने चालू वित्त वर्ष की 30 सितंबर को खत्म हुई दूसरी तिमाही में मुनाफे में 2.3 फीसदी की गिरावट की जानकारी दी है, जोकि 2,444.80 करोड़ रुपए रहा. शेयर बाजार में दाखिल की गई नियामकीय रपट में कंपनी ने कहा है कि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसे 2,469.47 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था. समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी के परिचालन आय में 1.6 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 19,698.8 करोड़ रुपए रही. वहीं वित्त वर्ष 2016-17 की दूसरी तिमाही के दौरान यह 19,397.9 करोड़ रुपए थी. इस अवधि में कंपनी के बिजली उत्पादन में 7.35 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई. समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी के राजस्व में 1.89 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 19,960 करोड़ रुपए रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 19,589 करोड़ रुपये थी. एनटीपीसी की अन्य आय में समीक्षाधीन तिमाही में 37 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और यह 261.6 करोड़ रुपये रही, जोकि पिछले साल की समान तिमाही में 190.6 करोड़ रुपये थी.

सिक्किम ने पेश की मिसाल, 80,000 टन जैविक सब्जियों का किया उत्पादन

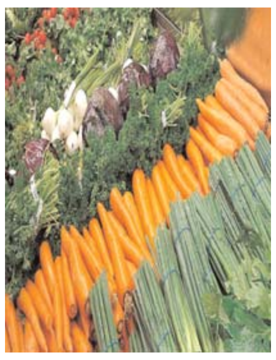

गंगटोक, (आरएनएस)। सिक्किम के पूर्ण जैविक राज्य घोषित किए जाने के बाद वर्ष 2016..17 में प्रदेश में करीब 80,000 टन जैविक सब्जियों का उत्पादन किया गया. बागवानी और नकदी फसल विकास विभाग के सचिव खोर्लो भूटिया ने कहा, ''हमने जैविक खेती के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए पिछले वर्ष प्रदेश में 80,000 टन जैविक सब्जियां पैदा कीं.'' उन्होंने कहा, '' प्रदेश में जैविक खेती के प्रमाणित क्षेत्र फिलहाल 76,392 हेक्टेयर है. इसमें के करीब 14,000 हेक्टेयर रकबे में ये सब्जियां उगायी गयीं.'' भूटिया ने कहा कि किसानों को अपने उत्पादों के लिए अधिकतम कीमत मिलना चाहिये जिसके लिए एक विपणन नेटवर्क विकसित करने की आवश्यकता महसूस की गई है और उसके लिए देश में किसानों की सबसे बड़ी सहकारिता संस्था इफ्को के साथ साझा उपक्रम को निर्मित किया गया है. बागवानीऔर नकदी फसल विकास सचिव ने कहा कि सिक्कि..इफ्को साझा उपक्रम के तहत अगले वर्ष के अंत तक एकीकृत प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की जायेगी. उन्होंने कहा कि प्रदेश में 100 टन जैविक चेरी पेपर्स और 100 क्विन्टल जैविक किवी फसल का उत्पादन किया है. इसके अलावा प्रदेश में प्रायोगिक परियोजना के तहत उगायी जा रही प्रमुख फसलों में बड़ी इलायची, अदरख, हल्दी, गेहूं इत्यादि फसल शामिल हैं.

शॉपिंग फेस्टिवल में भारतीय सामान की धूम

पेइचिंग ,(आरएनएस)। भारत के मसालों ने चीन के बाजार में धूम मचा दी है। शनिवार को एन्युअल शॉपिंग इवेंट द सिंगल्स डे के मौके पर भारतीय खाने की बिक्री काफी मात्रा में हुई। शॉपिंग कार्निवल में ऑनलाइन बाजारों को 30 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार हुआ। इस दौरान लाखों कंज्यूमर्स ने कई तरह के सामान खरीदे, जिनमें से अधिकांश चीन में निर्मित होते हैं। इसके अलावा भारत, यूरोप और अमेरिका में उत्पादित सामान को लेकर भी लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला।भारतीय ग्रोसरी आइटम, रेडीमेड फूड और आयुर्वेदिक कॉस्मेटिक ब्रैंड की काफी डिमांड रही। अलीबाब की ताओबाओ डॉट कॉम, जेडी डॉट कॉम और अन्य इंटरनेट मार्केट प्लेस पर अमूल, एमडीएच मसाला, गिट्स, टाटा टी, हल्दीराम, डाबर, पतंजलि और हिमालय जैसे भारतीय ब्रैंड के प्रॉडक्ट काफी मात्रा में बिके। इस मौके पर ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट कंज्यूमर्स को अच्छा डिस्काउंट देती हैं, ऐसे में लोग इस दौरान काफी शॉपिंग करते हैं। इसे 11/11 सिंगल्स डे के नाम से भी जानते हैं। हालांकि इसमें सिंगल्स और शादीशुदा दोनों ही शॉपिंग करते हैं। अलीबाबा की मानें तो इसकी एक दिन की बिक्री शनिवार को 25.35 बिलियन डॉलर की बिक्री को छू गया। यह आंकड़ा पिछले साल के सिंगल्स डे के मुकाबले 39 पर्सेंट ज्यादा है। इस बिक्री में भारतीय सामान की बात करें तो लोगों ने सबसे ज्यादा मसालों को लेकर अपनी रुचि दिखाई, इसके बाद भारत में बने कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट भी काफी डिमांड रहे। इसके अलावा कपड़े और होम डेकोर प्रॉडक्ट भी डिमांड में रहे। भारतीय सामान खरीदने वालों में भारत, पाकिस्तान, जापान, अरब, और यहां तक कि यूरोप के लोगों की बड़ी संख्या रही। चीन के कई शहरों में 100 से ज्यादा भारतीय सामान की दुकानें हैं। इन दुकानों को चलाने वाले स्थानीय लोग हैं, जो अपना सामान ऑनलाइन भी बेचते हैं।

भारत की असली परीक्षा दक्षिण अफ्रीका में होगी: अजहरुद्दीन

कोलकाता,(आरएनएस)। पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने यहां कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम की असली परीक्षा दक्षिण अफ्रीका के दो महीने के लंबे दौरे के दौरान होगी। भारत अभी श्रीलंका की मेजबानी कर रहा है जिसे उसने इस साल के शुरू में सभी प्रारूपों में हराया था। अजहर ने पहले जगमोहन डालमिया सम्मेलन से इतर पत्रकारों से कहा, श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला चुनौतीपूर्ण होगी लेकिन भारत की वास्तविक परीक्षा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होगी। भारत को श्रीलंका के श्रृंखला के बाद दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर जाना है जहां उसे अगले साल जनवरी-फरवरी में तीन टेस्ट, छह वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं। अजहर ने भारतीय कप्तान विराट कोहली की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, वह बेजोड़ है। जिस तरह से वह आगे बढ़कर नेतृत्व करता है उसे देखकर अच्छा लगता है।

महंगाई बढ़ी, ईएमआई में भी नहीं होगी कटौती

नई दिल्ली , (आरएनएस)। विश्लेषकों का मानना है कि महंगाई दर के मद्देनजर भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति अगली समीक्षा बैठक में नीतिगत दर को शायद ही कम करे। खाद्य और ईंधन की कीमतें बढ़ने से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति 7 महीने के उच्च स्तर पर चल रही है। खाद्य वस्तुओं, खासकर सब्जियों के भाव में तेजी से खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 3.58 प्रतिशत पर पहुंच गई जो 7 महीने का उच्च स्तर है। ब्याज दर तय करने में खुदरा मुद्रास्फीति पर खास ध्यान दिया जाता है। औद्योगिक उत्पादन में नरमी बीच जून से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार बढ़ रही है। वित्तीय सेवा कंपनी मोर्गन स्टेनली ने एक रिसर्च पेपर में, मुद्रास्फीति की मुख्य दर में तेजी है और मुद्रास्फीति के दीर्घ कालिक झान के स्थिर बने रहने से हमे नहीं लगता है कि रिजर्व बैंक दिसंबर में होने वाली मौद्रिक समीक्षा में दरों में कमी करेगा। जापान की वित्तीय सेवा फर्म नोमुरा ने मुद्राफ्स्फीति में वृद्धि के लिए सरकारी कर्मचारियों को मकान भत्ता और जीएसटी के प्रभावों को जिम्मेदार ठहराते हुए रिजर्व बैंक दिसंबर में होने वाली समीक्षा बैठक में नीतिगत दरों में कोई परिवर्तन नहीं होने का अनुमान जताया है। हालांकि, बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिंच का कहना है कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि 6 दिसंबर को आरबीआई मौद्रिक नीति समीति की बैठक में अक्टूबर-मार्च अवधि में औद्योगिकी गतिविधियों में सुधार के लिए नीतिगत दरों में कटौती कर सकता है। उसका यह भी कहना है कि विदेशी मुद्रा बाजार में भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप के साथ-साथ बैंकों के पुनर्पूंजीकरण के कारण बैंक के पास कर्ज देने को पर्याप्त मात्रा में नकदी होगी। ऐसे में दरों में कटौती करने का समय आ गया है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने 4 अक्टूबर को मौद्रिक समीक्षा बैठक में दरों को जस का तस रखा था।

डिजिटल पेमेंट को अपनाने के लिए आगे आ रहे भारतीय

नई दिल्ली , (आरएनएस)। भारतीय लोग डिजिटल पेमेंट व्यवस्था को बहुत तेजी से अपना रहे हैं। यहां 78 फीसद लोग इस व्यवस्था को अपनाने को लेकर उत्सुक हैं। ग्लोबल पेमेंट सॉल्यूशन कंपनी वीजा ने यह जानकारी दी है। वीजा ने यूजीओवी के साथ मिलकर इस संबंध में सर्वेक्षण किया था। वीजा के भारत एवं दक्षिण एशिया के ग्रुप कंट्री मैनेजर टीआर रामचंद्रन ने कहा, 'सरल, सुरक्षित और तेज ई-कॉमर्स अनुभव भविष्य में भुगतान के तरीकों को तय करने का अहम कारक है। अध्ययन में पाया गया है कि उपभोक्ता सतत रूप से डिजिटल पेमेंट व्यवस्था को अपना रहे हैं। साथ ही वे सुरक्षित तरीकों की ओर भी ध्यान दे रहे हैं।' सर्वेक्षण में पाया गया कि डिजिटल पेमेंट माध्यम की सरल प्रक्रिया के चलते लोग इसकी ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। 86 फीसद लोगों ने माना कि उन्होंने सहूलियत के लिए इस व्यवस्था को अपनाया है। पहले की तुलना में नकदी का प्रयोग कम कर चुके लोगों में से 70 फीसद लोगों ने माना कि नकदी से दूर होने के पीछे मुख्य कारण डिजिटल माध्यम की सुविधा, दक्षता और तेजी है। सर्वेक्षण में यह जानने की कोशिश की गई कि डिजिटल अर्थव्यवस्था अपनाने के प्रति भारतीय उपभोक्ताओं की धारणा कैसी है। सर्वेक्षण में 41 फीसद ने कहा कि अब भी दुकानदार नकद में ही भुगतान चाहते हैं। वहीं 39 फीसद ने डिजिटल भुगतान में सुरक्षा पर चिंता जताई। ऑनलाइन पेमेंट करते हुए 81 फीसद उपभोक्ताओं ने सुविधा से ज्यादा सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उम्र के तीसरे-चौथे दशक में चल रहे लोग डिजिटल पेमेंट को सबसे तेजी से अपना रहे हैं। उच्च आय वर्ग वालों में भी डिजिटल पेमेंट की ओर झुकाव ज्यादा देखा गया। सर्वेक्षण के मुताबिक, सालभर पहले के 33 फीसद की तुलना में नकदी का प्रयोग घटकर 31 फीसद हुआ है। अगले 12 महीनों में यह 25 फीसद के स्तर पर पहुंच सकता है।

अनुमान से कम रहा राज्यों का जीएसटी राजस्व

नई दिल्ली, (आरएनएस)। जीएसटी काउंसिल ने लोकलुभावन कदम उठाते हुए 215 वस्तुओं पर जीएसटी घटाने का फैसला किया है लेकिन हकीकत यह है कि शुरुआती तीन महीने गुजरने के बाद राज्य जीएसटी से अनुमानित राजस्व का आंकड़ा छू नहीं पा रहे हैं। पंजाब, बिहार, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश सहित 17 राज्यों में अनुमानित राशि के मुकाबले जीएसटी संग्रह 25 से 59 फीसद तक कम रहा है। हाल यह है कि केंद्र शासित क्षेत्र दिल्ली को छोड़ दें तो एक भी ऐसा राज्य नहीं है जहां अक्टूबर में जीएसटी संग्रह अनुमानित राशि के बराबर रहा हो। जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के राजस्व संग्रह की यह चिंताजनक तस्वीर जीएसटी काउंसिल की 10 नवंबर को गुवाहाटी में हुई बैठक में चर्चा के दौरान सामने आई है। काउंसिल ने एक जुलाई 2017 से देश में जीएसटी लागू होने के बाद शुरुआती तीन महीनों में राज्यवार जीएसटी संग्रह के ट्रेंड पर गहन मंथन किया। सूत्रों के मुताबिक राज्यों का हर माह जितना प्रोटेक्टेड राजस्व अर्जित किया जाना है उसके मुकाबले अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 7560 करोड़ रुपये कम रहा। संतोष की बात यह है कि अनुमानित राशि और वास्तविक संग्रह के बीच यह अंतर धीरे-धीरे कम हो रहा है। मसलन, अगस्त में राज्यों को अनुमानित राशि के मुकाबले जीएसटी से 12,208 करोड़ रुपये कम राजस्व प्राप्त हुआ था। सूत्रों का कहना है कि राज्यों में अगर जीएसटी से राजस्व संग्रह कम रहता है तो उसकी भरपाई जीएसटी के क्षतिपूर्ति फंड से की जा सकती है लेकिन अगर यह ट्रेंड आगे बना रहता है तो स्थिति गंभीर हो सकती है।

2028 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत

मुंबई, (आरएनएस)। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया के टॉप तीन की सूची में शामिल होने वाला है, हालांकि इसमें अभी 11 साल का वक्त लगेगा. अमेरिकी बैंक मेरिल लिन्च की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साल 2028 तक भारत जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा. यह दावा भारत की तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था को देखकर अनुमान किया गया है. फिलहाल ब्राजील और रूस को पीछे छोड़ भारत ब्रिक देशों में चीन के बाद दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2019 तक भारत फ्रांस और ब्रिटेन को पछाड़ देगा. इसके साथ ही यह देश जर्मनी के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है. अमेरिकी बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2028 तक भारत जर्मनी और जापान को जीडीपी (डॉलर के टर्म में) के मामले में पीछे छोड़ देगा. हालांकि इस रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि 2028 में अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की साइज क्या होगी. पिछले साल भारत की अर्थव्यवस्था 2.26 खरब डॉलर थी. उम्मीद जताई गई है कि अगले दशक में भारत की विकास दर 10 फीसदी रह सकती है. इस तरह जापान की अर्थव्यवस्था 1.6 फीसदी को पीछे छोड़ देगा.कारोबार सुगमता में भारत 100वें स्थान पर पहुंचा इसी साल 31 अक्टूबर को आई रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारत ने विश्वबैंक की कारोबार सुगमता रिपोर्ट रैंकिंग में लंबी छलांग लगायी है. देश की रैंकिंग 30 पायदान सुधरकर 100वें स्थान पर पहुंच गयी. इससे उत्साहित सरकार ने सुधारों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया जिससे देश आने वाले वर्ष में कारोबार सुगमता के मामले में शीर्ष 50 देशों में शामिल हो सकता है. सुगमता में भारत की रैंकिंग में उछाल की सराहना की और कहा कि यह चौतरफा तथा विविध क्षेत्रों में किये गये सुधारों का नतीजा है.